सिटीबुक्स एक एसी वेबसाइट है जहाँ आप अनेक शहरों के बारे में उनके ऊपर आधारित कहानियों और कविताओं के द्वारा जान सकते हैं। यह कहानियाँ और कवितायें कई भाषाओं और ऑडियोबुक्स, ई-बुक्स, वेबटेक्स्ट में उपलब्ध हैं। एसी ही कहानी है बेल्जियम के एक शहर टर्नहाऊट की, जहाँ कॉनराड नाम का नाइजीरियन व्यक्ति रहता है और जो की एक अप्रवासी है। यह कहानी चीका उनीमे के द्वारा है जो की टर्नहाऊट में ही अपने परिवार के साथ रहती है. मैंने एक कोशिश की है इस कहानी के एक छोटे से भाग को उच से हिंदी में अनुवाद करने की। यह मेरा पहला प्रयास है और मैं आशा करती हूँ की ये आप सब को पसंद आयेगा। आप www.citybooks.eu पे और भी प्यारे सिटी-बुक्स मुफ्त में डाऊनलोड कर सकते है।

मन का अँधेरा

मैं कॉनराड से उस दिन मिला जब उसने एक साँप को शेर के पंजो से बचाया था। उसकी स्कूल यूनीफार्म से कहानी अच्छे से दोहरा रही थी। उसे किसी शिक्षक से कोई सज़ा नहीं मिली और ना ही उसे पाँच बार छड़ियाँ खानी पड़ी जो की हमेशा लापरवाही करने पर मिलती थी। शायद उसके नए क्षात्र होने के कारण उसे छोड़ दिया गया। उस ही दिन उसने मुझे बताया की उसके अमीर पिताजी की मौत एक कार दुर्घटना में हो गई थी। दो हफ़्तों के बाद उसने बताया की उसके पिताजी की मृत्यू घर में एक भीषण आग लगने के कारण हो गई थी जिसमें उनकी सम्पत्ति भी जल गई। इन्हीं कुछ कारणों से उसकी माँ को नगर शहर और छोटे घर में आना पड़ा। इस समय तक हम काफ़ी अच्छे दोस्त बन चुके थे। काफ़ी सालों बाद भी किसी को नहीं पता की कॉनराड उसके पिताजी के जाने से पहले कहाँ रहता था और उसके पिताजी की मृत्यू का क्या कारण था, यहाँ तक की मुझे भी नहीं। वो हर बार अलग कहानी बताता था।

कॉनराड हमेशा देर से आता था। जब वो कहे की वो एक बजे तक आपके पास पहुँचेगा, वो कभी तीन बजे से पहले नहीं पहुँचता था। वो कभी कभार ही माफी माँगता था और जब भी वो माफी माँगता वो हमेशा बिना भाव और एक सीधे चहरे के साथ होती थी। "एलियन मुझे पकड़ के ले गए थे और उन्होंने मुझसे एक पहाड़ के बराबर शकरकंद छिलवाये।" "मेरे दादाजी की आत्मा मुझे रास्ते में मिल गई थी और उन्होंने मुझसे विनती करी की मैं उनके साथ थोड़ी देर अपना समय व्यतीत करूँ।" "मैंने आज एक गर्भवती महिला की उसके चार बच्चों को जन्म देने में उसकी मदद की।" एक बार उसने पूरे समूह को इंटर स्कूल फुटबॉल मैच के पहले रोक के रखा, उसने कहा कि वो जिस टैक्सी से आ रहा था वह दुर्घटनाग्रस्त हो गई और उसे टैक्सी काट कर निकाला गया। "दुर्घटना से देरी भली," उसने कहा। हम सारे झूठे लोगों को पीनो पीनो... पीनोकियो बुलाते थे पर कॉनराड एक अपवाद था। जैसे हम देर से आने वाले कॉनराड बुलाते थे और जैसे हम उसकी कहानियाँ विस्तार से सुनाने की विनती करते थे। कभी कभी वो हमें कहानियाँ सुनाता था। कॉनराड को

पता था की हम उसकी पकड़ में हैं। वो काफी लंबा था। वो हमारी कक्षा का सबसे लंबा छात्र था यहाँ तक की हमारे हैडमास्टर जिन्हें हम कुंभकरण हैडमास्टर बुलाते थे उससे भी लंबा। चौथी कक्षा में ही वो हमारी अधिकांश शिक्षिकाओं के बराबर आने लगा था। पाँचवी तक उसकी महीन मूँछे उगने लगी थीं। ये सब एक तरह के सम्मान की अपेक्षा करता था। शायद सच यह था की हम मन ही मन में उसकी कहानी बनाने की क्षमता की प्रशंसा करते थे, जो हमने कभी व्यक्त नहीं की। उसकी साहसिक कहानियों ने हमारा विस्मय जगाया और उसके कहानी बनाने के तरीके ने सम्मान की भावना। हमने उसकी झूठी कहानियों और देरी से आने की आदतों को हमेशा माफ़ किया। पर सब उसे माफ नहीं करते थे।

कॉनराड का पहला पोस्टकार्ड हमारी विदाई के चार साल बाद आया। पोस्टकार्ड में एक महल था जो की तालाब के बीचों-बीच खड़ा था। उसे देख के ऐसा लगा जैसे फिल्म का कोई दृश्य हो। उसके पीछे लिखा था...

एनीके न्वोके एम,

यह र्नहाऊट की रात है। मैं यहाँ रहता हूँ। इस शहर का आकार ऐसा है जैसे की एक कुत्ता अपने पिछले पैरों पर खड़ा हो। पानी में जो प्रतिमा है वो एक सटीक प्रतिकृती है मेरी अमज़ेन महिला की। उसकी काया देखो। काश तुम भी यहाँ होते मेरे दोस्त और अपने जीवन का आनंद उठा सकते। याद रखना, "अनुभव अकेले मायने नहीं रखता पर आदमी जो उस अनुभव के साथ करता है वो मायने रखता है" - अलदोयस हक्सले।

कॉनराड ओबियोहिया

मुझे यह भी नहीं पता था कि उसने देश छोड़ दिया है। तलाब में खड़े उस महल पे मेरा ध्यान गया और फिर उस प्रतिमा पर। वो प्रतिमा एक हृष्ट पुष्ट औरत की थी जो एक करवट पे लेटी थी। उसकी काया बहुत आकर्षक थी।

टर्नहाउट के बारे मे मैंने कभी नहीं सुना था। मैंने ध्यान से पोस्टकार्ड को देखने की कोशिश की और कोई संकेत खोजने की कोशिश की जो की मुझे उसके देश की जानकारी दे पाए। बेल्जियम। कॉनराड बेल्जियम में क्या कर रहा है? कारों का कारोबार शायद?

आगे जानने के लिए जाइए www.citybooks.eu पर।